प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
01.09.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1945बजे

'' मुख्य समाचार''

- मॉनसून की वर्षा जारी रहने तक हिमाचल प्रदेश आपदाग्रस्त राज्य घोषित– प्राकृतिक आपदा से प्रदेश को 3 हज़ार करोड़ रूपए से अधिक का नुकसान।
- मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा– राज्य में जल्द ही बिजली मित्रों की भर्ती करेगी सरकार।
- विधानसभा में विपक्षी सदस्यों के सवालों का जवाब न आने के मुद्दे पर हंगामा– नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा– विधायकों के अधिकारों का हो रहा हनन।
- प्रदेश में मॉनसून की वर्षा का कहर लगातार जारी– आगामी 24 घंटों के दौरान 7 ज़िलों में भारी बारिश का रैड अलर्ट।

मुख्यमंत्री वक्तव्य

हिमाचल प्रदेश आज से आपदा ग्रस्त राज्य घोषित कर दिया गया है। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान आज मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में एक विशेष वक्तव्य में हिमाचल को आपदा ग्रस्त राज्य घोषित करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मॉनसून की वर्षा जारी रहने तक हिमाचल आपदा ग्रस्त राज्य घोषित रहेगा और इसके बाद ही इससे संबंधित अधिसूचना को वापस लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे संबंधित आदेश सभी उपायुक्तों को दे दिए गए हैं और आपदा प्रबंधन कानून की धारा 34 के तहत कार्रवाई करने को कहा गया है। सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि मॉनसून की भारी वर्षा, बादल फटने व भूस्खलन से प्रदेश को अब तक 3 हज़ार 56 करोड़ रूपए का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि चंबा जिले की प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा में अब तक विभिन्न कारणों से 16 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। इनमें से चार श्रद्धालुओं के शव अभी भरमौर के कुगती में फंसे हैं, क्योंकि लगातार बारिश के कारण इन्हें निकालना संभव नहीं हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिमहेश में फंसे 15 हजार तीर्थ यात्रियों में से 10 हजार को सुरक्षित निकाल लिया गया है और हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों के माध्यम से बिना किसी शुल्क के नूरपुर तक छोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें 27 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार का एक पत्र मिला था, जिसमें मॉनसून के कारण आई आपदा पर चिंता व्यक्त की गई थी। मुख्यमंत्री ने इसके लिए शांता कुमार का आभार भी जताया।

इस बीच, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भरमौर में 5 सौ से ज़्यादा लोग अभी भी फंसे हुए हैं क्योंकि वे चलने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वहां सड़क, पानी और बिजली की व्यवस्था को युद्ध स्तर पर बहाल किया जाए ताकि फंसे हुए लोगों को भरमौर से निकाला जा सके। जयराम ठाकुर ने विभिन्न कारणों से हुई मौतों के परस्पर विरोधी आंकड़ों और भरमौर में अभी भी फंसे तीर्थयात्रियों का मुद्दा भी उठाया।

शून्यकाल

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की है कि प्रदेश सरकार जल्द ही बिजली मित्रों की भर्ती करेगी। विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान विधायक रणधीर शर्मा द्वारा बिजली बोर्ड में स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाए जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन आयोग के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया काफी लंबी होती है। ऐसे में सरकार जल्द ही बिजली मित्र भर्ती करेगी ताकि फील्ड में स्टाफ की कमी को दूर किया जा सके। उन्होंने इस संबंध में विपक्ष के सुझावों का भी स्वागत किया और कहा कि सभी विपक्षी विधायकों को इस तरह के सकारात्मक सुझाव देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हिमाचल और पंजाब की सीमा पर स्थित उन सभी घरों को बिजली के मीटर दे दिए जाएंगे, जिनका एन.ओ.सी. पंजाब से मिल जाएगा। विधायक रघुवीर सिंह बाली द्वारा उठाए गए एक मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि करूणामूलक आधार पर नौकरी पाने के लिए आय सीमा में छूट का मामला जल्द सुलझेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने करूणामूलक आधार पर नौकरी पाने के लिए कुल आय सीमा बढ़ाकर 3 लाख रुपए सालाना कर दी है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय सीमा अभी भी 62 हज़ार 5 सौ रुपए है। ऐसे में इस

विसंगति को सरकार जल्द दूर करेगी। शून्यकाल के दौरान ही विधायक भवानी सिंह पठानिया द्वारा उठाए गए मामले पर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार पंजाब से सटे सीमावर्ती इलाकों में अवैध खनन का मुद्दा पंजाब सरकार के साथ उठाएगी। साथ ही हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में एक याचिका भी दायर की जाएगी। उद्योग मंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद का फायदा उठाकर पंजाब के लोग कांगड़ा के सीमावर्ती इलाकों में अवैध खनन कर रहे हैं। विधायक लोकेंद्र कुमार, प्रकाश राणा, केवल सिंह पठानिया और त्रिलोक जम्वाल ने भी शून्यकाल के दौरान अपने–अपने मामले उठाए।

हंगामा

प्रदेश विधानसभा में आज विपक्षी सदस्यों के सवालों का जबाब न आने के मुद्दे पर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विधायकों के प्रश्नों पर जानकारी देने में अत्यधिक देरी का मुद्दा उठाया। जयराम ठाकुर ने कहा कि यह बहुत ही विचित्र स्थिति है कि पिछले दो वर्षों में विधानसभा सत्रों के दौरान अधिकांश प्रश्नों के उत्तर नहीं दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा सचिवालय द्वारा सूचीबद्ध प्रश्नों को आज की कार्यवाही से हटा दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रश्नों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से विधानसभा की पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है और विधायकों के अधिकारों का हनन हो रहा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

कैश फॉर वोट

भाजपा विधायकों सुधीर शर्मा, त्रिलोक जमवाल और आशीष शर्मा ने मुख्यमंत्री पर देहरा उपचुनाव में कैश फॉर वोट को लेकर जानकारी छुपाने का आरोप लगाया है। शिमला में आज एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने उपचुनाव के दौरान महिलाओं को गलत तरीके से पैसे बांटने और विधानसभा में लगाए गए प्रश्नों को गायब करने का आरोप लगाया। सुधीर शर्मा ने कहा कि इस उपचुनाव के दौरान चुनाव आचार संहिता में कांगड़ा कॉपरेटिव बैंक से 68 महिला मंडलों को 34 लाख रूपए और एक हज़ार महिलाओं के खाते में 4 हज़ार 5 सौ रूपए दिए गए। उन्होंने कहा कि जब सदन में इसको लेकर प्रश्न पूछा गया, तो सूची से ये प्रश्न हटा दिए गए।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से व्यापक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि  चंबा में सड़कों को खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है लेकिन लगातार बारिश के कारण राहत व बचाव कार्यों मे बाधा आ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी बीते चार दिन से चंबा में डटे हुए हैं और हालात पर लगातार नज़र रखे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के कारणों को तलाशना भी जरूरी है और भविष्य में ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाएगी।

कुलदीप पठानिया

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा है कि चम्बा ज़िला में प्राकृतिक आपदा से अब तक करीब 11 सौ करोड़ रूपए का नुकसान हो चुका है। शिमला में आज पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि चम्बा–भरमौर सड़क को जोड़ने में अभी करीब 10 दिन का समय लग सकता है। कुलदीप पठानिया ने कहा कि करीब 5 हज़ार श्रद्धालु अभी ऐसे हैं जो विभिन्न कारणों से नहीं निकाले जा सके हैं। ऐसे में सड़क मार्ग बहाल होने के बाद इन्हें भरमौर से चम्बा सुरक्षित पहुंचाया जाएगा।

मौसम

प्रदेश में मानसून का कहर लगातार जारी है और हिमाचल में 1948 के बाद अगस्त माह में दूसरी बार सबसे ज्यादा 4 सौ 34 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई है जबकि 1948 में 4 और 56 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। मौसम विज्ञान केन्द्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि आगामी 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सात ज़िलों कांगड़ा, शिमला, कुल्लू, बिलासपुर, ऊना, सिरमौर और मण्डी में भारी

बारिश का रैड अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि अगस्त माह में सामान्य से 69 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है।

इस बीच, मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए शिमला ज़िला में कल 2 सितम्बर को भी सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है। हालांकि शिक्षकों को ऑनलाइन क्लासें लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

'' मुख्य समाचार एक बार फिर''

- मॉनसून की वर्षा जारी रहने तक हिमाचल प्रदेश आपदाग्रस्त राज्य घोषित– प्राकृतिक आपदा से प्रदेश को 3 हज़ार करोड़ रूपए से अधिक का नुकसान।
- मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा– राज्य में जल्द ही बिजली मित्रों की भर्ती करेगी सरकार।
- विधानसभा में विपक्षी सदस्यों के सवालों का जवाब न आने के मुद्दे पर हंगामा– नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा विधायकों के अधिकारों का हो रहा हनन।
- प्रदेश में मॉनसून की वर्षा का कहर लगातार जारी– आगामी 24 घंटों के दौरान 7 ज़िलों में भारी बारिश का रैड अलर्ट।